अध्याय
07

एक साम्राज्य की राजधानी: विजयनगर

(लगभग चौदहवीं से सोलहवीं सदी तक)

(लगभग चौदहवी से सोलहवीं सदी तक)

विजय नगर का अर्थ **"विजय का शहर"**। विजयनगर साम्राज्य को मध्यकाल का प्रथम **हिंदू साम्राज्य** भी कहा जाता है।

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना

विजयनगर साम्राज्य की स्थापना 1336 ई० में संगम वंश के दो भाई **हरिहर और बुक्का** ने की थी। अपने चरमोत्कर्ष पर यह उत्तर में कृष्णा नदी से लेकर प्रायद्वीप के सुदूर दक्षिण तक फैला हुआ था।

विजयनगर साम्राज्य के राजवंश

संगम वंश (1336 - 1485 ई०)

सुलुव वंश (1485 - 1505 ई०)

तुलुव वंश (1505 - 1565 ई०)

अराविडु वंश (1570 - 1652 ई०)

विजयनगर राज्य का चरमोत्कर्ष

विजयनगर साम्राज्य का प्रथम राजवंश संगम वंश था।

विजयनगर साम्राज्य का चरमोत्कर्ष तुलुव राजवंश के समय अपने सर्वोच्च शिखर पर था। विजयनगर के महान शासक **कृष्णदेव राय तुलुव राजवंश** से ही संबद्ध थे। कृष्णदेव राय का शासनकाल (1509 - 1530) तक था।

कृष्णदेव राय की उपलब्धियां

- विजयनगर के महान शासक कृष्णदेव राय बड़ी विषम परिस्थितियों में सिंहासन पर बैठे। उन्होंने बैठते ही साम्राज्य का सुदृढ़ीकरण किया।
- बीजापुर के सुल्तान को 1520 ई० में हराकर **तुंगभद्रा और कृष्णा नदियों** के बीच का क्षेत्र जिसे रायचूर दोआब कहते है, उसे हासिल किया।उड़ीसा के गजपति शासक प्रताप रुद्रदेव को पराजित किया।
- कृष्णदेव राय ने **यवन राज्य की स्थापना करने वाला** की उपाधि धारण की।
- कृष्णदेव राय ने शासन कला के विषय में **अमुक्तमाल्यद नामक तेलुगु भाषा** में एक पुस्तक का लेखन कार्य किया।
- इन्होंने अपनी मां के नाम पर **नागलपुरम्** नामक उपनगर की स्थापना की।
- इन्होंने **हजारा राम और विट्ठल स्वामी का मंदिर** बनवाया।

© NCERT not to be republished

- **नायक**

सामान्यतः किलों पर नियंत्रण रखने वाले वे सेना प्रमुख जो एक स्थान से दूसरे स्थान तक भ्रमणशील रहते थे।

इन प्रमुखों को नायक कहते थे।

अमर- नायक प्रणाली

यह प्रणाली विजयनगर साम्राज्य की एक प्रमुख राजनैतिक और प्रशासनिक खोज थी। अमर-नायक **सैनिक कमांडर (नायक)** थे जिन्हें राय (राजा) द्वारा वेतन के बदले एक **विशेष भू- खंड दिया जाता था जो अमरम कहलाता था।** अमरम भूमि का उपयोग करने के कारण इन्हें अमरनायक भी कहा जाता था।

ये किसानों, शिल्पकर्मियों तथा व्यापारियों से भू राजस्व तथा अन्य कर वसूल करते थे।

राय

विजयनगर के शासक **राय नाम की उपाधि** धारण करते थे। जैसे: **कृष्णदेव राय, सदाशिव रा**य।

विजयनगर की भौगोलिक स्थिति

मध्यकाल के उस समय के सबसे प्रसिद्ध शहरों में से एक विजयनगर अपनी विशिष्ट भौतिक रूप रेखा तथा स्थापत्य शैली के लिए प्रसिद्ध था।

जल-संपदा

- विजयनगर में तुंगभद्रा नदी द्वारा निर्मित एक प्राकृतिक कुंड है। यह नदी उत्तर पूर्व दिशा में बहती है
- इसमें पहाड़ियों से आकर कई जल- धाराएं नदी से मिलती है।
- शहर के शुष्क स्थानों पर पानी के संचयन और व्यापक प्रबंध करने के लिए पंद्रहवीं शताब्दी के आरंभिक वर्षों में एक हौज का निर्माण किया गया। इसे आज **कमलपुरम जलाशय** कहा जाता है।
- विजयनगर में धार्मिक केंद्र से शहरी केंद्र को अलग करने वाली घाटी को सिंचित करने के लिए **हिरिया नहर** से पानी लाया जाता था। इस नहर में पानी **तुंगभद्रा नदी** पर बने बांध से लाया जाता था।

किलेबंदियाँ तथा सड़कें

- 15 वी शताब्दी में फारस के राजा द्वारा कालीकट भेजा गया दूत **अब्दुर्रजाक(अब्दुर रज्जाक)**,यहाँ की किलेबंदी से बहुत प्रभावित हुआ और उसने दुर्गों की सात पंक्तियों का उल्लेख किया।
- विजयनगर के शासक किलेबंद क्षेत्रों के भीतर ही विशाल अन्नागारों का निर्माण करवाते थे।
- विजयनगर के शासकों ने पूरे कृषि भूभाग को बचाने के लिए अधिक महंगी तथा व्यापक नीति को अपनाया।
- किलेबंदी नगरीय केंद्र के आंतरिक भाग के चारों ओर बनी हुई थी।
- शासकीय केंद्र जिसमें महत्वपूर्ण इमारतों के समूह थे उनको ऊंची दीवारों से घेरा गया था।
- दुर्ग में प्रवेश के लिए अच्छी तरह सुरक्षित प्रवेशद्वार थे जो शहर को मुख्य सड़कों से जोड़ते थे।

- **विजयनगर की व्यापारिक स्थिति**

विजयनगर में व्यापारियों के स्थानीय समूह को **कुदिरई** चेट्टी अथवा घोडों के व्यापारी कहा जाता था।

इस काल में **युद्ध कला प्रभावशाली अश्वसेना**

© JCERT not to be republished

पर आधारित होती थी इसलिए **अरब तथा मध्य एशिया से घोड़ों को आयात** बहुत महत्वपूर्ण था।

विजयनगर राज्य **मसालों,वस्त्रों तथा रत्नों के** अपने बाजारों के लिए प्रसिद्ध था। यहां की समृद्ध जनता महंगी विदेशी वस्तुओं की मांग करती थी।

10. शहरी केंद्र

शहरी केंद्र के उत्तर- पूर्वी कोने में परिष्कृत चीनी मिट्टी पाई गई है पुरात्वविदों का सुझाव है कि वो सकता है इन स्थानों में अमीर व्यापारी रहते हो, यह मुस्लिम रिहायशी मोहल्ला भी था।

राजकीय केंद्र

विजयनगर का राजकीय केंद्र बस्ती के दक्षिण-पश्चिमी भाग में स्थित है। यहां 60 से अधिक मंदिर है फिर भी इसे राजकीय केंद्र की संज्ञा दी गई। मंदिर और संप्रदाय को प्रश्रय देना शासकों के लिए महत्वपूर्ण था। इस माध्यम से वह अपनी सत्ता को स्थापित करके वैधता हासिल करने का प्रयास करते थे।

कमल महल

राजकीय केंद्र के सबसे सुंदर भवनों में एक **कमल (लोटस) महल** है। इसका नामकरण 19वीं शताब्दी के अंग्रेज यात्रियों ने किया था।

राजकीय केंद्र में स्थित अत्यंत दर्शनीय **हजारा राम मंदिर का निर्माण कृष्णदेव राय** ने कराया था।

इस मंदिर की आंतरिक दीवारों पर उत्कीर्ण कुछ दृश्यांश रामायण से लिए गए है।

महानवमी डिब्बा

महानवमी का शाब्दिक अर्थ- **महान नवाँ दिवस**

यह **हिंदू त्यौहार दुर्गा पूजा (नवरात्रि , महानवमी)**

के अनुष्ठान से संबंधित था।

ये अनुष्ठान संभवत: **सितंबर तथा अक्टूबर के शरद मास** में मनाया जाता था।

महानवमी डिब्बा शहर के सबसे ऊंचे स्थानों पर स्थित लकड़ी की संरचना से बना एक विशालकाय मंच था।

इस अवसर पर विजय नगर शासक अपने रुतबे, ताकत तथा अधिराज्य का प्रदर्शन करते थे।

13.सभा मंडप

सभा मंडप एक ऊँचा मंच है जिसमें पास-पास तथा निश्चित दूरी पर लकड़ी के स्तंभों के लिए छिद्र बने हुए हैं। दूसरी मंजिल पर जाने के लिए स्तंभों पर टिकी एक सीढ़ी बनी हुई थी।

13.1 कल्याण मंडप

यह मंडप दैवीय विवाहों के आयोजन में प्रयुक्त होता था।

14. विजयनगर राज्य की धार्मिक स्थिति

- विजयनगर के शासक स्थानीय **मातृदेवी पम्पा देवी की पूजा** करते थे।
- विजयनगर राज्य के संरक्षक देवता **विरुपाक्ष** थे। विजयनगर के शासक भगवान विरुपाक्ष की ओर से शासन करने का दावा करते थे।

© JCERT not to be republished

- सभी राजकीय आदेशों पर सामान्यतः कन्नड़ लिपि में **श्री विरूपाक्ष** शब्द अंकित होता था

- विजयनगर के शासक देवताओं से अपने गहन संबंधों के संकेतक के रूप में **हिन्दू सूरतराणा** उपाधि का प्रयोग भी करते थे।

14. विजयनगर राज्य में मंदिर की भूमिका

- विजयनगर राज्य में मंदिर **शिक्षा के केंद्र** के रूप में कार्य करते थे।

- शासक अपने आप को ईश्वर से जोड़ने के लिए मंदिर निर्माण को प्रोत्साहन देते थे।

- शासक द्वारा मंदिरों की यात्रा को राजकीय अवसर माना जाने लगा। इस यात्रा में उनके साथ साम्राज्य के महत्वपूर्ण नायक भी साथ जाते थे।

- शासक व अन्य लोग मंदिर के रख-रखाव के लिए भूमि या अन्य संपदा दान में देते थे। अतः मंदिर महत्वपूर्ण धार्मिक, सामाजिक, सांस्कृतिक तथा आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित हुए।

- **विरुपाक्ष मंदिर, विट्ठल मंदिर, हजारा राम मंदिर** महत्वपूर्ण मंदिर के रूप में स्थापित किए गए थे।

- **विट्ठल मंदिर** का निर्माण **कृष्णदेव राय** ने कराया था। इस मंदिर के प्रमुख देवता **विट्ठल थे जो सामान्यतः महाराष्ट्र में पूजे जाने वाले विष्णु के एक रूप है।** इस देवता की पूजा को कर्नाटक में आरंभ करना विजयनगर शासकों द्वारा अलग-अलग परंपराओं को आत्मसात करना था।

- मंदिर परिसरों की एक चारित्रिक विशेषता **रथ गलियां** हैं जो मंदिर के **गोपुरम्** से सीधी रेखा में जाती है।

- **गोपुरम** को राजकीय प्रवेशद्वार भी कहते थे। यह लंबी दूरी से ही मंदिर के होने का संकेत देते थे।

- **नायकों ने** किलेबंदी के निर्माण के साथ -साथ मंदिर निर्माण की परंपराओं को भी जारी रखा।

हम्पी

- **हम्पी विजयनगर का वर्तमान नाम** है यह कर्नाटक राज्य में स्थित है। **हम्पी को हस्तिनावती** भी कहते है।

- यह **तुंगभद्रा नदी** के तट पर स्थित है।

- हम्पी के भग्नावशेष की खोज ईस्ट इंडिया कंपनी के सर्वेक्षक **कॉलिन मैकेंजी** ने 1800 ई० में की थी।

- इसको **1976 ई० में राष्ट्रीय महत्व** के स्थल के रूप में मान्यता मिली। **1986 ई० में यूनेस्को द्वारा विश्व पुरातत्व स्थल घोषित किया गया।**

विजयनगर राज्य का पतन

विजयनगर के विरुद्ध **दक्कन के सुल्तानों** ने एक सैनिक महासंघ का गठन किया। विजयनगर की सेना का नेतृत्व प्रधानमंत्री **रामराय** ने किया। **1565** ई० में दोनो सेनाओं के मध्य **राक्षसी-तांगड़ी** का युद्ध हुआ जिसमें विजयनगर राज्य की हार हुई। इस युद्ध को तालीकोट्टा के नाम से भी जाना जाता है।

विदेशी यात्रियों का विवरण

- पुर्तगाली यात्री **डोमिंगो पेस और बारबोसा** कृष्णदेव राय के शासनकाल में आए थे।

- फारस के राजा का दूत **अब्दुर्रज्जाक** और इतालवी यात्री **निकोलोकॉन्टी** विजयनगर के आर्थिक , सामाजिक और राजनीतिक स्थिति का वर्णन करते है।

© JCERT not to be republished

- डोमिंगो पेस विजयनगर की तुलना **रोम** से करता है।
- पुर्तगाली यात्री नूनीज विजयनगर को **बिसनग** कहता है।

अभ्यास प्रश्न

बहुविकल्पीय प्रश्न

1. विजयनगर राज्य की स्थापना कब हुई?

   a. 1336 b. 1338

   c. 1340 d. 1347

2. विजयनगर में व्यापारियों के स्थानीय समूह को क्या कहते थे?

   a. गोपुरम b. मदुरई

   c. कुदिरई d. गजपति

3. विजयनगर राज्य के संरक्षक देवता कौन थे?

   a. तिरुपति b. विट्ठल

   c. आंध्रभोज d. विरुपाक्ष

4. विजयनगर राज्य किस नदी के तट पर स्थित था?

   a. कृष्णा b. कावेरी

   c. तुंगभद्रा d. गोदावरी

5. पुर्तगाली यात्री डोमिगो पेस किसके शासनकाल में आया था?

   a. हरिहर

   b. सदाशिव राय

   c. देवराय

   d. कृष्णदेव राय

लघुउत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 6. अमर-नायक प्रणाली क्या थी?

प्रश्न 7. महानवमी डिब्बा के बारे में लिखिए।

प्रश्न 8. हम्पी का ऐतिहासिक स्थल के रूप में वर्णन।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 9. विजयनगर का भौगोलिक स्थिति का वर्णन कीजिए।

प्रश्न10. विजयनगर राज्य में मंदिर की क्या भूमिका थी?

© JCERT not to be republished